कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग
Department of
Agricultural Research and Education

सत्यमेव जयते

# विकास गाथा

## अक्टूबर 2022 - अक्टूबर 2025

## रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी

/rlbcau.ac.in /CAUJhansi /rlbcaujhansi YouTube/@RLBCAU

**श्रीमती द्रौपदी मुर्मु**
**भारत के माननीय राष्ट्रपति**
**विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष**



**प्रो. पंजाब सिंह**
**माननीय कुलाधिपति**



**प्रो. अशोक कुमार सिंह**
**माननीय कुलपति**

Rani Lakshmi Bai Central Agricultural
Jhansi
SPEED BREEDING FA
Inaugurated by
Dr. Mangi Lal Ja
Secretary, DARE & Director Ge
In the gracious presen
Dr. D.K. Yadava
DDG, Crop Science, IC
Dr. Ashok Kumar Sin
Vice Chancellor, RLBC
Tuesday, 19 August, 2025

# शिक्षा

रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी
RANI LAKSHMI BAI CENTRAL AGRICULTURAL UNIVERSITY, JHANSI
दीक्षारंभ
DEEKSHARAMBH

# दतिया परिसर का विकास

300 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैले आरएलबीसीएयू के दतिया परिसर में मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय और पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय स्थित हैं। दोनों महाविद्यालय अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, आधुनिक कक्षाओं, शिक्षण प्रक्षेत्रों और विश्वस्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित हैं। यह महत्वपूर्ण परिसर मत्स्य विज्ञान और पशु चिकित्सा विज्ञान के छात्रों के लिए अनुभवात्मक शिक्षा, उन्नत अनुसंधान और समग्र विकास के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान करता है।

ये दोनों महाविद्यालय कृषकों को दक्षतापरक प्रशिक्षणों के माध्यम से स्वरोज़गार के अवसर व आमदनी बढ़ाने में अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं।

# शैक्षणिक अवसंरचना

## दतिया परिसर

### प्रशासनिक एवं शैक्षणिक भवन

प्रशासनिक एवं शैक्षणिक भवन में मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय और पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय दोनों स्थित हैं। इसका उद्घाटन 5 अक्टूबर, 2023 को भारत सरकार के तत्कालीन माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा किया गया था और यह 167,916 वर्ग मीटर के निर्मित क्षेत्र में फैला हुआ है। इसमें 12 अत्याधुनिक कक्षाएँ और 22 आधुनिक प्रयोगशालाएँ हैं। यह विश्व स्तरीय सुविधा उन्नत शिक्षण और अनुसंधान स्थान प्रदान करती है, जिससे अनुभवात्मक कौशल व शिक्षा और शैक्षणिक उत्कृष्टता में वृद्धि होती है।

पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, दतिया

मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, दतिया

तत्कालीन माननीय कृषि मंत्री द्वारा दतिया परिसर का उद्घाटन

# प्रयोगशालाएँ और कक्षाएँ

## दतिया परिसर

स्नातक स्मार्ट कक्षाएं

सुसज्जित पशु चिकित्सा शरीरक्रिया विज्ञान प्रयोगशाला

सुसज्जित मत्स्य विज्ञान प्रयोगशाला

# प्रयोगशालाएँ और कक्षाएँ

## दतिया परिसर

दतिया परिसर में नव स्थापित महाविद्यालयों में कुल 22 प्रयोगशालाएँ हैं जो अत्याधुनिक उपकरणों और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं ताकि कौशल व व्यावहारिक प्रशिक्षण और अनुसंधान को सुगम बनाया जा सके। ये प्रयोगशालाएँ छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने, प्रयोग करने और उन्नत अनुसंधान गतिविधियों में भागीदार होने का अवसर प्रदान करती हैं। यह बुनियादी ढाँचा सिद्धांत और व्यवहार के बीच प्रभावी रूप से संबंध स्थापित करता है, जिससे रोजगार क्षमता में वृद्धि होती है और अनुसंधान के परिणाम बेहतर होते हैं।

प्रयोगशाला उपकरणों की झलकियाँ

# शैक्षिक संग्रहालय

## दतिया परिसर

### पशु चिकित्सा एवं मत्स्य विज्ञान संग्रहालय

पशु चिकित्सा एवं मत्स्य विज्ञान संग्रहालय अपने विविध संग्रहों के माध्यम से छात्रों के ज्ञान को समृद्ध बनाता है। मत्स्य विज्ञान में पंखदार मछलियों, शंख, मोलस्क और जीवाश्मों की एक विस्तृत श्रृंखला मौजूद है। पशु चिकित्सा विभाग में विभिन्न प्रकार के नमूने और मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं जो छात्रों को पशु शरीर संरचना, रोगों और स्वास्थ्य देखभाल विधियों आदि के बारे में जानकारी में मदद करते हैं।

पशु चिकित्सा संग्रहालय

मत्स्य विज्ञान संग्रहालय

# छात्रावास और आवासीय परिसर

## दतिया परिसर

### बेतवा छात्रावास, दतिया

इस छात्रावास का उद्घाटन 5 अक्टूबर 2023 को हुआ। 100 कमरों से सुसज्जित इस छात्रावास में 300 छात्रों के रहने की क्षमता है।

### पहुज छात्रावास, दतिया

इस छात्रावास का उद्घाटन 5 अक्टूबर 2023 को हुआ। 100 कमरों से पूरी तरह सुसज्जित 300 छात्रों के रहने की क्षमता है।

### आवासीय परिसर, दतिया

13 एकड़ में निर्मित एक आवासीय परिसर विश्वविद्यालय के संकाय और कर्मचारियों के लिए आवास सुविधाएँ प्रदान करता है। 26 अगस्त, 2025 को उद्घाटन किए जाने वाले इस परिसर में 12 टाइप III, 24 टाइप IV, 8 टाइप V और 2 टाइप VI स्टाफ क्वार्टर शामिल हैं।

# पशु पालन सुविधा

## दतिया परिसर

80,000 वर्ग फुट से अधिक निर्मित क्षेत्र वाले सुसज्जित पशुधन प्रक्षेत्र का उद्घाटन 26 अगस्त 2025 को भारत सरकार के माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किया गया।

पशु पालन सुविधा का विहंगम दृश्य

अंपीथिएटर

माहिष और गौशाला

बकरी और भेड़ इकाई

बायोगैस संयंत्र

हैचरी इकाई

कुक्कुट शाला

# पशु पालन सुविधा

## दतिया परिसर

### परिसर में पाले गए जानवरों की विभिन्न नस्लें

भदवारी माहिष

मुर्रा माहिष

केनकथा गाय

गिर गाय

थारपारकर गाय

साहीवाल गाय

बुन्देलखंडी बकरी

जमुनापारी बकरी

बारबरी बकरी

जालौनी भेड़

# पशु चिकित्सीय परिसर

## दतिया परिसर

पशु चिकित्सीय परिसर, जिसका उद्घाटन 26 अगस्त 2025 को माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार द्वारा किया गया, 77,500 वर्ग फुट निर्मित क्षेत्र में फैला हुआ है। यह सुविधा पशु चिकित्सा शिक्षा, नैदानिक प्रशिक्षण और पशु स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उन्नत बुनियादी ढाँचा प्रदान करती है। यह छात्रों को बहुमूल्य व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है, जिससे पशु चिकित्सा विज्ञान में उनके कौशल, शोध क्षमता और व्यावसायिक दक्षता में वृद्धि होती है।

श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार द्वारा पशु चिकित्सीय परिसर का उद्घाटन

# अवसंरचना

## अतिथि गृह

निर्माणाधीन अतिथि गृह में 22 डबल रूम, 2 सुइटस और 8-बेड वाले एक कमरा है, जो आगंतुकों, अधिकारियों और मेहमानों के लिए आधुनिक आवासीय सुविधाएँ उपलब्ध होंगी

## चिकित्सालय

यह आगामी चिकित्सालय छात्रों, कर्मचारियों और निवासियों की स्वास्थ्य संबंधी ज़रूरतों को पूरा करेगी। इसमें 4 बिस्तरों वाला वार्ड और फार्मेसी की सुविधा होगी, जिससे परिसर में आवश्यक चिकित्सा सेवाएँ सुनिश्चित होंगी।

## कैंटीन और सामुदायिक केंद्र

150 छात्रों और 50 कर्मचारियों के बैठने की क्षमता वाली एक कैंटीन, साथ ही 4,500 वर्ग फुट में फैला एक सामुदायिक हॉल, भोजन, सामाजिक और सांस्कृतिक समारोहों के लिए निर्माणाधीन है।

## शॉपिंग कॉम्प्लेक्स

निर्माणाधीन शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में 4 दुकानें और एक बैंक शाखा शामिल होगी, जिसका उद्देश्य परिसर समुदाय की दैनिक आवश्यकताओं और वित्तीय सेवा आवश्यकताओं को पूरा करना है।

## दतिया परिसर में निर्माणाधीन

# अवसंरचना

### खेल सुविधाएँ

शारीरिक तंदुरुस्ती और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए क्रिकेट मैदान, फुटबॉल मैदान, बास्केटबॉल कोर्ट, बैडमिंटन कोर्ट, व्यायामशाला और इनडोर खेलों की सुविधाओं सहित व्यापक खेल अवसंरचना विकसित की जा रही है।

### ओपन एयर थिएटर

सांस्कृतिक कार्यक्रमों, छात्र गतिविधियों और सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए स्थान उपलब्ध कराने हेतु एक ओपन एयर थिएटर का निर्माण कार्य चल रहा है। यह कलात्मक और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर परिसर के जीवन शैली को समृद्ध बनाएगा।

### मछली पालन सुविधाएँ

दोगुनी ऊँचाई वाली हैचरी, 32 बाहरी सीमेंटेड तालाब (प्रत्येक 80 वर्ग मीटर), बाहरी प्रायोगिक वेट लैब के रूप में 90 पोर्टेबल एफआरपी पूल और एक बड़ा ब्रूडस्टॉक/उत्पादन तालाब (लगभग 0.5 एकड़ क्षेत्रफल) के साथ मत्स्य विज्ञान सुविधाएँ स्थापित की जा रही हैं।

# झांसी परिसर के बुनियादी ढांचे में वृद्धि

# विश्वविद्यालय सभागार

## झांसी परिसर

निर्माणाधीन विश्वविद्यालय सभागार

विश्वविद्यालय सभागार का शिलान्यास 11 मार्च, 2023 को भारत सरकार के तत्कालीन माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा किया गया था। 68,888 वर्ग फुट में फैले इस सभागार में अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जिनमें 700 लोगों की बैठने की क्षमता वाला एक आधुनिक थिएटर, एक भोजन क्षेत्र, एक सीनेट कक्ष, एक वीआईपी लाउंज और एक संग्रहालय शामिल हैं। चालू होने के बाद, यह सभागार शैक्षणिक, सांस्कृतिक और संस्थागत कार्यक्रमों के लिए एक प्रमुख स्थल के रूप में कार्य करेगा, जिससे विश्वविद्यालय के शिक्षण और सामुदायिक अनुभव को समृद्ध किया जा सकेगा।

## उद्यानिकी महाविद्यालय, मुरैना (मध्य प्रदेश)

6 अक्टूबर, 2023 को, भारत सरकार के तत्कालीन माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, श्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा उद्यानिकी महाविद्यालय, मुरैना के 300 एकड़ के परिसर का शिलान्यास किया गया था। आगामी शैक्षणिक वर्ष से, महाविद्यालय विश्वविद्यालय मुख्यालय से डिग्री कार्यक्रम प्रदान करना शुरू कर देगा और निर्माण पूरा होने के बाद, छात्रों को मुरैना परिसर में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

# नया शैक्षणिक भवन

## झांसी परिसर

निर्माणाधीन नया शैक्षणिक भवन

झाँसी परिसर में 67,597 वर्ग फुट क्षेत्रफल में एक नया शैक्षणिक भवन निर्माणाधीन है। इस भवन में 8 कक्षाएँ, 8 प्रयोगशालाएँ और 2 परीक्षा कक्ष होंगे, जिन्हें आधुनिक और विशाल शिक्षण स्थल प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह विभिन्न विषयों के छात्रों के लिए शिक्षण, अनुसंधान और मूल्यांकन आदि की सुविधाओं से सुसज्जित होगा।

# खेल सुविधाएं

## झांसी परिसर

विश्वविद्यालय ने समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए एक इनडोर स्टेडियम, स्विमिंग पूल, बैडमिंटन कोर्ट, व्यायामशाला, बिलियर्ड्स और अन्य फिटनेस सुविधाओं सहित खेल संबंधी बुनियादी ढाँचा भी विकसित किया है। इसके अलावा, सुव्यवस्थित बास्केटबॉल और टेनिस कोर्ट, क्रिकेट मैदान, रनिंग ट्रैक, फुटबॉल मैदान और योग और कल्याण केंद्र भी विकसित किया गया है।

क्रिकेट मैदान

स्विमिंग पूल और इनडोर स्टेडियम

बास्केटबॉल और टेनिस कोर्ट

फुटबॉल मैदान

योग एवं कल्याण केंद्र द्वारा आयोजित योग सत्र

# खेल सुविधाएं

## झांसी परिसर

### ओपन जिम सुविधा के साथ रेजिडेंट्स पार्क

# छात्रावास

## झांसी परिसर

### विवेकानंद छात्रावास खंड II:

इस छात्रावास का उद्घाटन 1 अक्टूबर, 2024 को किया गया । इसमें लगभग 300 छात्रों के रहने की क्षमता वाले छात्रावास में 100 सुसज्जित कमरे हैं।

विवेकानंद छात्रावास खंड II

### मनु छात्रावास खंड III:

इस छात्रावास का उद्घाटन 1 अक्टूबर, 2024 को किया गया । इसमें लगभग 300 छात्रों के रहने की क्षमता वाले छात्रावास में 49 सुसज्जित कमरे हैं।

मनु छात्रावास खंड III

### मनु छात्रावास खंड IV:

छात्रावास निर्माणाधीन है और जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। इसमें लगभग 112 छात्रों के रहने की क्षमता होगी।

### एम. एस. स्वामीनाथन छात्रावास:

छात्रावास की आधारशिला 19 अगस्त, 2025 को रखी गई थी। छात्रावास वर्तमान में निर्माणाधीन है और जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। तैयार होने के बाद, इसमें लगभग 450 छात्रों के रहने की क्षमता होगी।

# अतिथि गृह

## झांसी परिसर

### विंध्य अतिथि गृह

एक आधुनिक, पूरी तरह से सुसज्जित विश्वविद्यालय अतिथि गृह का उद्घाटन 11 मार्च, 2023 को भारत सरकार के तत्कालीन माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा किया गया था। इसमें 40 से अधिक कमरे हैं, जिनमें 75 से अधिक अतिथियों के ठहरने की व्यवस्था है।

### हलधर अतिथि गृह

किसानों और ग्रामीण हितधारकों के लिए 24 कमरों वाला एक समर्पित अतिथि गृह निर्माण किया गया है, जिसमें प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और अनुभव भ्रमण के दौरान लगभग 75 किसानों एवं अतिथियों के ठहरने की व्यवस्था है।

# नए डिग्री कार्यक्रमों की शुरुआत

## स्नातक डिग्री कार्यक्रम

स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम व डॉक्टरेट डिग्री कार्यक्रम विश्वविद्यालय ने दो नए स्नातक डिग्री कार्यक्रम बी.एफ.एससी एवं बी.एससी. (कृषि) प्राकृतिक खेती प्रारंभ किए गए

## स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम

विश्वविद्यालय ने कृषि विस्तार, कृषि अर्थशास्त्र, आणविक जीव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी, पुष्प कृषि एवं भूदृश्यांकन, वन उत्पाद उपयोग, कटाई-पश्चात प्रबंधन, वन संसाधन प्रबंधन, वन जीव विज्ञान एवं वृक्ष सुधार, वृक्षारोपण फसलें, जलीय कृषि, मत्स्य संसाधन प्रबंधन, पशु चिकित्सा जैव रसायन, शरीर रचना विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान, पशु आनुवंशिकी एवं प्रजनन, तथा पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन में 18 नए स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम भी शुरू किए हैं।

## डॉक्टरेट डिग्री कार्यक्रम

पिछले तीन वर्षों में विश्वविद्यालय ने कृषि विस्तार, पौध प्रजनन एवं आनुवंशिकी, पादप रोग विज्ञान, कीट विज्ञान, कृषि विज्ञान, मृदा विज्ञान, पुष्प विज्ञान एवं भूदृश्य, फल विज्ञान, सब्जी विज्ञान, तथा वन-कृषि एवं कृषि वानिकी सहित प्रमुख विषयों में 10 नए डॉक्टरेट डिग्री कार्यक्रम शुरू करके उल्लेखनीय प्रगति की है - जिससे उन्नत अनुसंधान और नवाचार के अवसर बढ़ रहे हैं।

# विविधता, सहयोग और
## छात्रों की संख्या

### प्रवेश क्षमता में वृद्धि

42%

विश्वविद्यालय 42% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 3000 छात्र क्षमता का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अपनी प्रवेश क्षमता का लगातार विस्तार कर रहा है

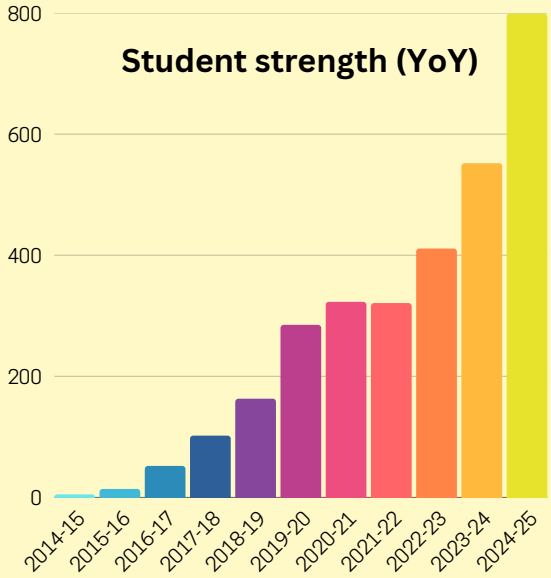


**12+** ### प्रमाणपत्र कार्यक्रम

इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं में व्यावसायिक कौशल विकसित करना और उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाना

**8+** ### अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय छात्रों में व्यवसाय और उद्यमशीलता कौशल विकसित करने के लिए आठ ईएलपी लागू कर रहा है

### बहु-विषयक संस्थान

एनईपी 2020 की सिफारिशों का पालन करते हुए, विश्वविद्यालय कृषि, बागवानी, वानिकी, प्राकृतिक खेती, पशु विज्ञान और मत्स्य विज्ञान सहित कई विषयों में शिक्षा प्रदान करता है।

**24+** ### विविधता के प्रति सम्मान

देश भर के 24 से अधिक राज्यों के छात्र और संकाय एक साथ काम करते हैं, रहते हैं और सीखते और सिखाते हैं।

**80+** ### बहु-विषयक सहयोग

बहु-विषयक शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय ने 82 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक/निजी संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं

### समग्र शिक्षा और विकास

समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय समाज सेवा, अध्यात्म, संचार कौशल, योग, एनसीसी, एनएसएस के साथ-साथ विरासत, नैतिकता और भाषा कौशल पर पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

# अनुसंधान

# अनुसंधान अवसंरचना

## झांसी परिसर

19 अगस्त, 2025 को डॉ. एम. एल. जाट, महानिदेशक, आई.सी.ए.आर. एवं सचिव, डेयर, नई दिल्ली द्वारा नव विकसित स्पीड ब्रीडिंग सेंटर का उद्घाटन

ग्रामीण युवाओं की क्षमता निर्माण के लिए मशरूम प्रयोगशाला और मधुमक्खी पालन प्रयोगशाला

19 अगस्त, 2025 को महानिदेशक, आईसीएआर एवं सचिव, डेयर, नई दिल्ली द्वारा पादप आनुवंशिक संसाधन केंद्र का उद्घाटन किया गया।

पोषक तत्वों पर उत्कृष्टता केंद्र और प्राकृतिक खेती पर उत्कृष्टता केंद्र

# वाणिज्यिक उत्पादन

## इकाइयाँ

तैल निष्कर्षण इकाई

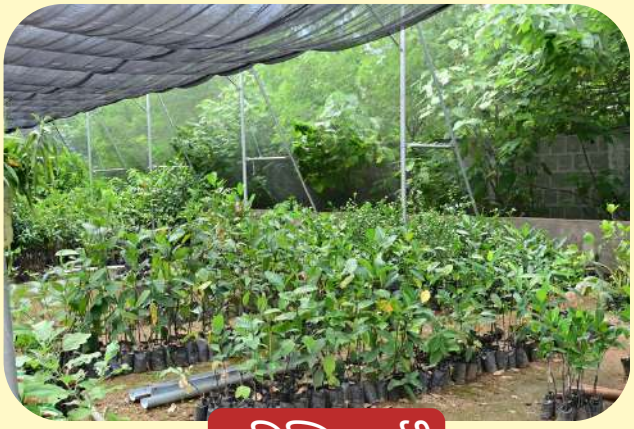

वाणिज्यिक नर्सरी

शहद उत्पादन इकाई

शहद प्रसंस्करण इकाई

मशरूम प्रयोगशाला उद्यमिता केंद्र और मधुमक्खी पालन प्रयोगशाला ऊष्मायन केंद्र

# वाणिज्यिक उत्पाद

उगाने के लिए तैयार मशरूम किट

श्री लक्ष्मी मधु

मसाले और वन उत्पाद

श्री लक्ष्मी मधुमक्खी मोम

प्राकृतिक रंग

श्री लक्ष्मी तेल

# कृषि विस्तार में नवाचार

# सार्वजनिक पहुँच

## किसान मेला

आरएलबीसीएयू, झांसी ने 26-27 फरवरी 2023 के दौरान अपना पहला “किसान मेला” आयोजित किया। तब से, विश्वविद्यालय हर साल किसान मेला आयोजित करता है।

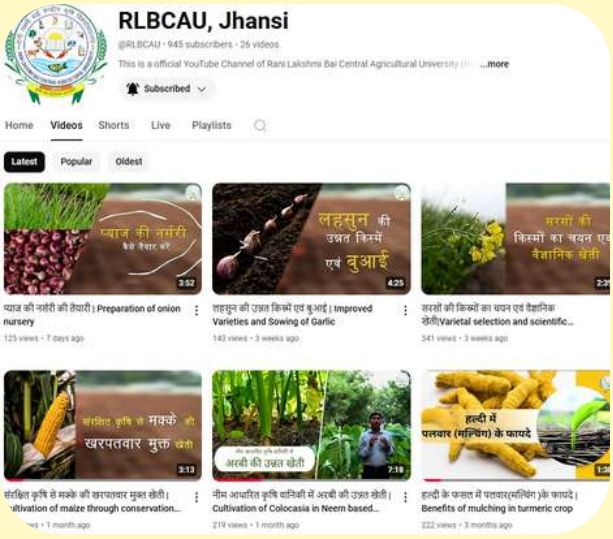


## तकनीकी वीडियो उत्पादन

कृषि संबंधी जानकारी और परामर्श सेवाओं के प्रसार के लिए सोशल मीडिया और ग्रामीण इंटरनेट कनेक्टिविटी में क्रांति की क्षमता का उपयोग करने के लिए, विश्वविद्यालय ने किसानों को कृषि संबंधी जानकारी, परामर्श और शैक्षिक सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से एक यूट्यूब चैनल बनाया है।

## मोबाइल प्लांट हेल्थ क्लिनिक

किसानों के घर तक निदान और परामर्श सेवाएं पहुंचाने के लिए, विश्वविद्यालय ने एक मोबाइल प्लांट हेल्थ क्लिनिक शुरू किया है, जहां विभिन्न निदान और परामर्श सेवाएं प्रदान करने वाले वाहन गांवों का दौरा करते हैं।

# सार्वजनिक पहुँच

## मोबाइल संदेश परामर्श सेवा

आरएलबीसीएयू झाँसी ने किसानों को समय पर, फसल और मौसम-विशिष्ट मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए मोबाइल एसएमएस-आधारित कृषि परामर्श सेवाएँ शुरू की हैं। यह सेवा फसल और किस्मों के चयन से लेकर कृषि कार्यों की समय-सारणी तक, महत्वपूर्ण पहलुओं को कवर करती है, जिससे किसान सूचित निर्णय ले सकें।

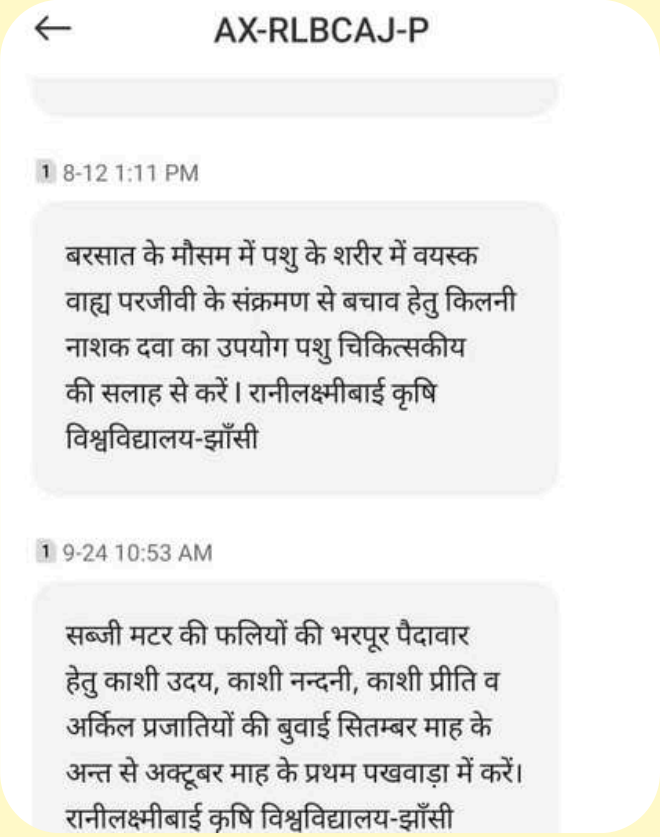


## रेडियो पाठशाला

आरएलबीसीएयू ने कृषि में सूचना की कमी को दूर करने के लिए "रेडियो पाठशाला" कार्यक्रम शुरू किया है। इस पहल के माध्यम से, वैज्ञानिक रेडियो प्रसारण के माध्यम से किसानों से जुड़ते हैं और फसल चयन से लेकर परिचालन समय-सारणी तक, खेती,पशुपालन, मत्स्य पालन आदि के विभिन्न पहलुओं पर समय पर और विषय-विशिष्ट सलाह प्रदान करते हैं।

## एफपीओ-विश्वविद्यालय विस्तार मॉडल

आरएलबीसीएयू ने समूह-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से किसानों के बीच अपनी क्षमता निर्माण और प्रौद्योगिकी प्रसार प्रयासों की पहुँच को मज़बूत करने के लिए एक अभिनव एफपीओ-आधारित विस्तार मॉडल विकसित किया है। यह मॉडल सहयोग, ज्ञान साझाकरण और सतत कृषि विकास को बढ़ावा देता है।

# प्रौद्योगिकी प्रदर्शन इकाइयाँ

किसानों की क्षमता निर्माण की सुविधा और छात्रों को कौशल उन्मुख शिक्षा प्रदान करने के लिए, आरएलबीसीएयू ने हाल के वर्षों में फसल कैफेटेरिया, संरक्षित खेती इकाई, एकीकृत कृषि प्रणाली मॉडल, फल उद्यान, जर्मप्लांट इकाई आदि सहित कई प्रौद्योगिकी प्रदर्शन इकाइयों की स्थापना / संचालन किया है।

बाग़

फसल कैफ़ेटेरिया

पॉलीहाउस इकाई

# प्रौद्योगिकी प्रदर्शन इकाइयाँ

## एकीकृत कृषि प्रणाली (आईएफएस)

रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय ने एकीकृत कृषि प्रणाली (आईएफएस) भी स्थापित की है, जिसमें सब्जी फसल उत्पादन, मत्स्य विज्ञान, बकरी पालन, डेयरी, मशरूम की खेती, मधुमक्खी पालन और बत्तख पालन प्रमुख घटक हैं।

बत्तख पालन

डेयरी और बकरी पालन

# प्रशासन

# मानव संसाधन का सुदृढ़ीकरण

**अक्तूबर 2022 से अक्तूबर 2025 के बीच स्वीकृत/नियुक्त शैक्षिक एवं गैर शैक्षिक कर्मियों का विवरण**

| क्र.सं. | पद नाम | स्तर | स्वीकृत पद | भरे गए पद |
|---|---|---|---|---|
| 1 | प्राध्यापक | 14 | 1 | 1 |
| 2 | सह-प्राध्यापक | 13A | 65 | 14 |
| 3 | सहायक प्राध्यापक | 10A | 121 | 24 |
| 4 | कार्यकारी अभियंता | 11 | 1 | 1 |
| 5 | चिकित्सा अधिकारी | 10 | 1 | 1 |
| 6 | सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक/स्थापना) | 10 | 1 | 0 |
| 7 | सहायक नियंत्रक | 10 | 1 | 1 |
| 8 | वरिष्ठ संगणक प्रोग्रामर | 10 | 1 | 1 |
| 9 | कनिष्ठ लेखा अधिकारी | 8 | 1 | 2 |
| 10 | सहायक | 7 | 1 | 5 |
| 11 | पुस्तकालय सहायक | 7 | 1 | 1 |
| 12 | कनिष्ठ अभियंता (विद्युत) | 6 | 1 | 0 |
| 13 | निजी सहायक | 6 | 1 | 0 |
| 14 | हिंदी अनुवादक | 6 | 1 | 0 |
| 15 | प्रयोगशाला तकनीशियन | 5 | 1 | 3 |
| 16 | पशुधन/कृषि सहायक | 5 | 1 | 8 |
| 17 | उच्च श्रेणी लिपिक | 4 | 1 | 7 |
| 18 | नर्स (पुरुष/महिला) | 4 | 1 | 0 |
| 19 | कार्यालय/क्षेत्र सहायक | 3 | 1 | 0 |
| 20 | क्षेत्र सह प्रयोगशाला सहायक | 3 | 1 | 8 |
| 21 | डाटा प्रविष्टि ऑपरेटर | 2 | 1 | 11 |
| | | कुल | 271 | 88 |

# ई-गवर्नेंस

प्रशासनिक कार्यों की दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय ने कई ई-गवर्नेंस पहल शुरू की हैं। इनमें ई-ऑफिस प्रणाली की शुरुआत, विश्वविद्यालय की वेबसाइट का नवीनीकरण, और शैक्षणिक फाइलिंग, रिकॉर्ड प्रबंधन और अनुमोदन प्रणालियों का स्वचालन शामिल है। कर्मचारियों से संबंधित आवेदनों और अनुमोदनों के समय पर निपटान के लिए समर्थ पोर्टल लागू किया गया है। इसके अलावा, कर्मचारियों को इन ई-गवर्नेंस उपकरणों के प्रभावी उपयोग के लिए प्रशिक्षित करने हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिससे सुव्यवस्थित प्रक्रियाएँ और बेहतर सेवा सेवायें सुनिश्चित हो रही है।

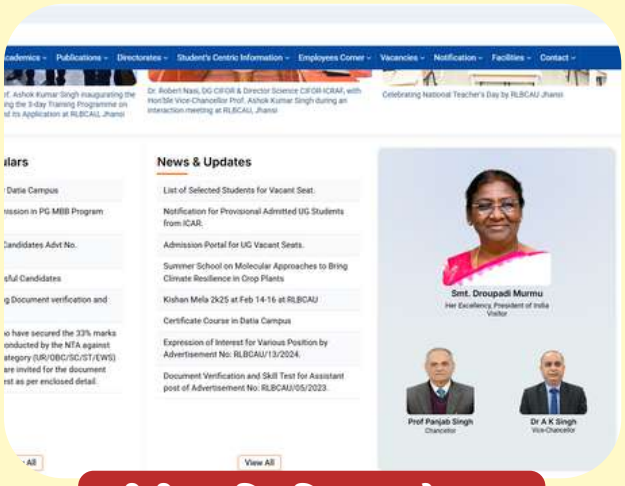


नवीनीकृत विश्वविद्यालय वेबसाइट

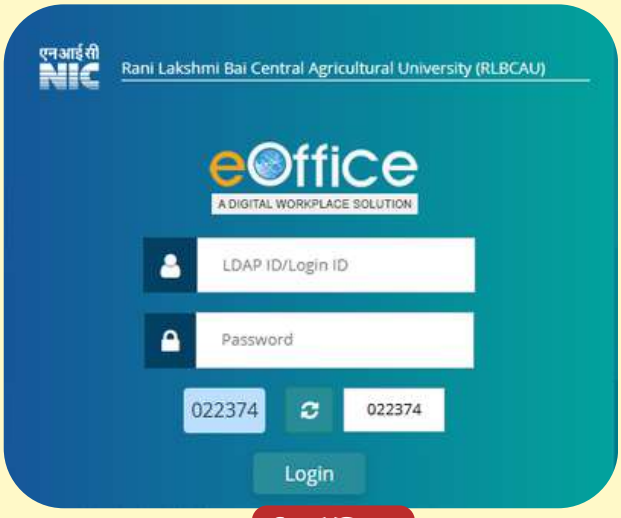


ई-ऑफिस

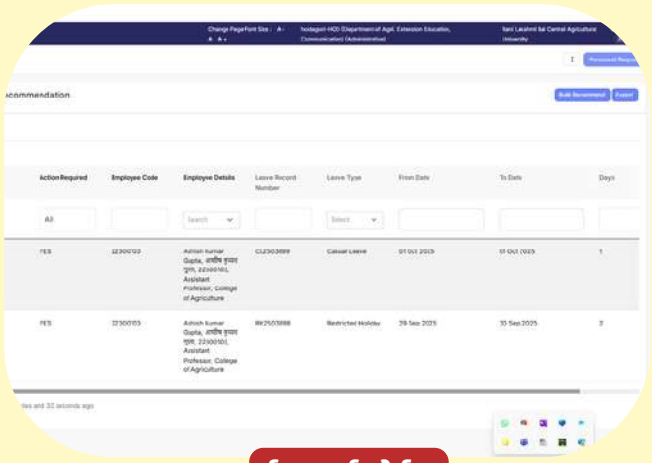

ई-समर्थ पोर्टल

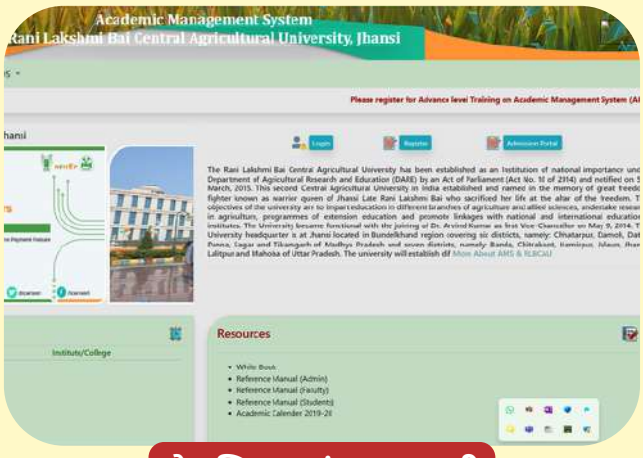


शैक्षणिक प्रबंधन प्रणाली

# पर्यावरण संरक्षण

विश्वविद्यालय ने स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए कई हरित पहल की हैं, जिनमें शामिल हैं

- सौर ऊर्जा का उपयोग
- केंद्रीकृत वातानुकूलन
- सेंसर-आधारित जल और प्रकाश व्यवस्था
- सीवेज उपचार संयंत्र
- वृक्ष और बाग़ का आवरण (25 हेक्टेयर)
- कृषि तालाब (30 एकड़)
- वृक्षारोपण अभियान

सौर ऊर्जा का संचयन

राम वन

शबरी बाग

वृक्षारोपण अभियान

# कृषि-पर्यटन

उत्तर प्रदेश के पर्यटन विभाग ने रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय को आधिकारिक तौर पर कृषि-पारिस्थितिकी पर्यटन स्थल के रूप में मान्यता दी है। यह मान्यता सतत कृषि और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के विश्वविद्यालय के प्रयासों को दर्शाती है, साथ ही सभी उम्र के पर्यटकों के लिए एक शैक्षिक और मनोरंजक अनुभव प्रदान करती है।

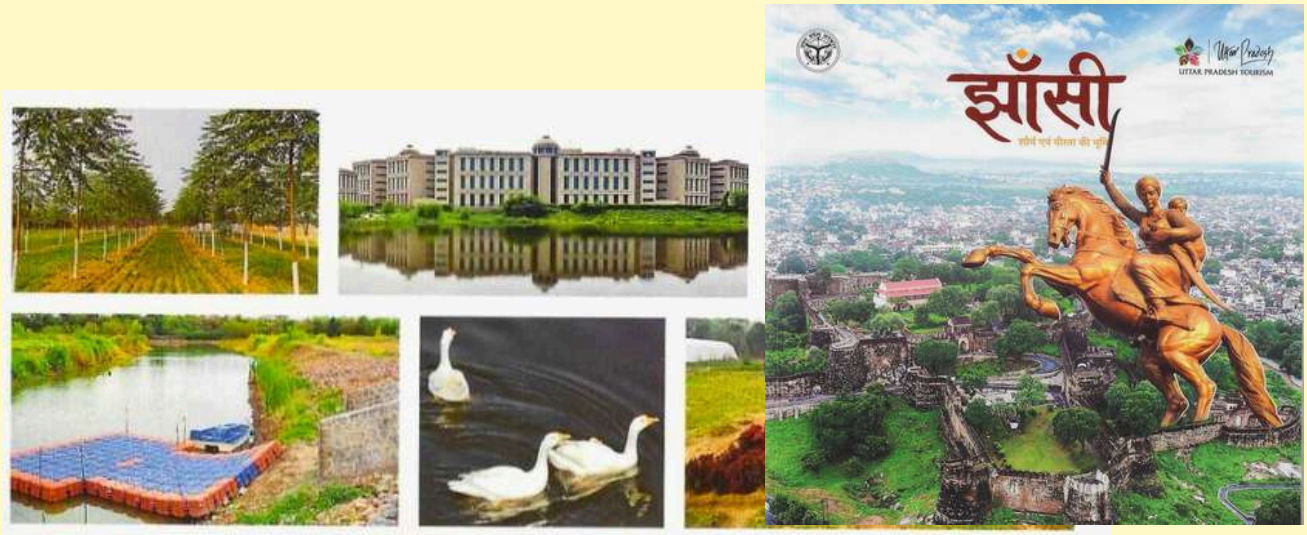

## रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय
## कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी

रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है।

यह विश्वविद्यालय क्षेत्रीय और राष्ट्रीय कृषि ज्ञान पद्धितियों का स्त्रोत है। यह समृद्ध संसाधनों और सतत प्रथाओं के साथ एक पसंदीदा कृषि ईको-पर्यटन केंद्र है। यहां आने वाले पर्यटक पारंपरिक और आधुनिक कृषि, विविध खेती प्रणाली, कृषिवानिकी प्राकृतिक खेती और जल संचयन के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

इस विश्व विद्यालय में आने वाले पर्यटक यहाँ ऑर्गनिक उत्पाद, जैव-विविधता, ग्रामीण जीवनशैली, बुदेली व्यंजनों का अनुभव कर सकते हैं, साथ ही विश्व विद्यालय द्वारा स्थापित परम्परागत स्थिर आजीविका, पर्यावरण अनुकूल तथा एकरात विधि के लाइव मॉडल देख सकते हैं।

झांसी • 28

**आर. एल. बी. सी. ए. यू. द्वारा विकसित  यांत्रिक कटाई के लिए योग्य चने की उन्नत किस्म RLB-MH4 को केंद्रीय प्रजाति विमोचन समिति द्वारा अनुशंसित किया गया है।**